Regarding issues pertaining to wheat cultivators

डॉ. राजीव भारद्वाज (कांगड़ा) : महोदय, आज आपने मुझे एक बड़ी ज्वलन्त समस्या पर अपनी बात रखने का सौभाग्य प्रदान किया है । मैं आपके द्वारा माननीय कृषि मंत्री महोदय का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र के गेहूं उत्पादक किसानों की ओर दिलाना चाहता हूं ।

महोदय, 123 वर्षों में पहली बार ऐसा हुआ है कि इतनी कम बरसात हुई हो । हिमाचल प्रदेश में इस बार सामान्य से 90 पर्सेंट कम बारिश हुई । हिमाचल प्रदेश में तीन 3 लाख 26 हजार हेक्टेयर भूमि पर गेहूं की खेती की जाती है । केवल दस प्रतिशत खेती हो पायी है, केवल 30 हजार हेक्टेयर भूमि पर गेहूं की खेती हो पायी है । मैं कृषि मंत्री महोदय से प्रार्थना करना चाहता हूं कि किसानों की स्थिति हिमाचल प्रदेश में बहुत खराब है, जो 30 हजार हेक्टेयर पर खेती हुई है, उसमें कितनी यिल्ड आएगी, कहा नहीं जा सकता ।

माननीय सभापति**:** आपकी मांग क्या है?

डॉ. राजीव भारद्वाज**:** सभापति महोदय, मेरी मांग है कि उनकी समस्या का समाधान करने का प्रयत्न करें । मुझे थोड़ा संरक्षण दें, मैं पहली बार बोल रहा हूं । जिस क्षेत्र से मैं संबंध रखता हूं, उस क्षेत्र में केवल गेहूं की खेती ही नहीं बल्कि बड़े-बड़े बागवान हैं । दशहरी आम के बड़े-बड़े बाग हैं, अमरूद के बाग हैं, किन्नू के बाग हैं, ये बागवान सूखे की मार से त्रस्त हो गए हैं । मैं नूरपुर क्षेत्र की बात करूं, मैं आपके माध्यम से कृषि मंत्री महोदय से प्रार्थना करना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश में एक दल भेजें । मेरे लोक सक्षा क्षेत्र कांगड़ा में 92 हजार हेक्टेयर भूमि पर किसान खेती करता है । चम्बा में 30 हजार हेक्टेयर भूमि पर किसान खेती करता है, उनकी चिंता की जाए । केवल गेहूं ही नहीं, नकदी फसलें भी तबाह होने की कगार पर हैं ।

माननीय सभापति: माननीय सदस्य, आप अपनी मांग रख दें ।

डॉ. राजीव भारद्वाज **:** सभापति महोदय, कृपा करके उनको उचित मुआवजा दिलाने की कृपा की जाए । बहुत-बहुत धन्यवाद ।